विद्यालय और समाज संबंधों के संदर्भ में शिक्षक के दृष्टिकोण का अध्ययन

लघु शोध प्रबंध

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल

पर्यवेक्षक

प्रो. बी. रमेश बाबू

आर.आई.ई. भोपाल

अन्वेषक

सुष्मिता तमसोय

एकीकृत बी.एड. एम एड.

अनुक्रमांक -200660445

D - 690

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

2019 – 2022

आर.आई.ई. भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन. सी. ई. आर .टी)

श्यामला हिल्स भोपाल (म. प्र.)

घोषणा पत्र

मैं सुष्मिता तमसोय 3-वर्षीय एकीकृत बी.एड-एम.एड कोर्स क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल कि छात्रा यह प्रमाणित करती हूं कि **"विद्यालय और समाज संबंधों के संदर्भ में शिक्षक के दृष्टिकोण का अध्ययन"** नामक विषय पर लघु शोध प्रबंधन (2019 - 2022) प्रोफ़ेसर बी. रमेश बाबू शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल, मध्यप्रदेश के यह लघु शोध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश के एकीकृत बी.एड एम.एड(2019-2022) उपाधि के आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है इस शोध में लिए गए आंकड़े एवं सूचनाएं विश्वसनीय स्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किए गए हैं तथा यह प्रयास पूर्णता: मौलिक है|

Sushmita Tamsoy

स्थान - भोपाल

सुष्मिता तमसोय

दिनांक - 11/07/2022

एकीकृत बी. एड. एम एड.

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल, 2019-2022 के 3-वर्षीय एकीकृत बी.एड-एम.एड कोर्स कि छात्रा सुष्मिता तमसोय ने **"विद्यालय और समाज संबंधों के संदर्भ में शिक्षक के दृष्टिकोण का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है तथा यह प्रमाणित किया जाता है कि यह कार्य मूल है और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश के बी.एड-एम.एड (एकीकृत) की डिग्री जमा करने के योग्य है।

स्थान - भोपाल

दिनांक - 11/07/2022

प्रो. बी. रमेश बाबू

शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार पत्र

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंधन **"विद्यालय और समाज संबंधों के संदर्भ में शिक्षक के दृष्टिकोण का अध्ययन"** की संपूर्णता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक, प्रो. बी. रमेश बाबू को जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श प्रदान किए तथा अनिवार्य प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूरा करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किए और साथ ही मैं अपने सह-निर्देशिका डॉ. सोनल शर्मा सहायक प्रोफेसर को उनकी सहायता और समन्वय के लिए भी धन्यवाद देना चाहती हूं, वह हमेशा मेरी मदद करने के लिए मौजूद थी अतः मैं उनकी सहृदय से आभारी रहूंगी ।

मैं आदरणीय प्राचार्य प्रोफेसर **जयदीप मंडल** की अनुवर्त मार्ग दर्शक सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी रहूंगी।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के शिक्षा विभाग अध्यक्ष महोदया प्रोफेसर **रत्नमाला आर्य , डॉ एनसी ओझा , प्रो. आई.बी. चुगताई , डॉ सौरभ कुमार मिश्रा, डॉ संजय कुमार पंडागले** और शिक्षक विभाग के सभी गुरुजनों का धन्यवाद देती हूं जिन्होंने अनुसंधान के बारे में जानकारी दी और अपने सुझाव दिए ।

मैं आभारी हूं उन सभी विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की जिन्होंने आंकड़े एकत्र करने में मेरी सहायता की थी।

मैं अपने माता पिता की तहे दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझे समय-समय पर वात्सल्य पूर्ण सहयोग प्रदान की साथ ही मेरे आत्म बल को प्रतिपल प्रोत्साहित करते रहे।

मैं आभारी हूं अपने सहपाठियों की जिन्होंने शोध लेखन के दौरान आई कठिनाइयों के समाधान में मेरा मदद किया कुछ विशेष मित्रों का नाम – गैलेन नॉवेर ,गुलशन बेरहा, प्रश्मिता दास , महेंद्र बेन, एवं कमल वर्मा

धन्यवाद

सुष्मिता तमसोय

विषय सूची

अध्याय	क्र. स.	विशेष	पृष्ठ संख्या
अध्याय 1	**प्रस्तावना**		
	1.1	प्रस्तावना	1
	1.2	विद्यालय	1-3
	1.3	विद्यालय की परिभाषाएं	3-5
	1.4	समाज	5-6
	1.5	समाज की परिभाषाएं	6-7
	1.6	शिक्षक	7-8
	1.7	शिक्षक का महत्व	8-9
	1.8	विद्यालय और समाज में शिक्षक की भूमिका	9-10
	1.9	समस्या का कथन	10
	1.10	समस्या का औचित्य	10-11
	1.11	अध्ययन का उद्देश्य	11
	1.12	परिकल्पना	11
	1.13	समस्या का परिसीमा	12
	1.14	अध्ययन का अध्याय	12-13
अध्याय 2	**संबंधित साहित्य का अध्ययन**		
	2.1	प्रस्तावना	14
	2.2	पूर्व शोध	15-22
अध्याय 3	**अनुसंधान विधि**		
	3.1	प्रस्तावना	23
	3.2	शोध की प्रविधि एवं प्रक्रिया	23
	3.3	शोध परिकल्पना	24
	3.4	जनसंख्या	24
	3.5	न्यादर्श का चयन	24-25
	3.6	प्रतिक्रिया दर	25-26
	3.5	प्रयुक्त उपकरण	27-29

	3.5.1	पैमाने के निर्माण के चरण	29-31
	3.6	आंकड़ों का संग्रहण	32
	3.7	आंकड़ों का विश्लेषण	32
	3.8	सांख्यिकी	32-33
	3.8.1	मध्यमान	33
	3.8.2	मानक विचलन	33-34
	3.8.3	टी परीक्षण	34-35
अध्याय 4	**आंकड़ों का विश्लेषण**		
	4.1	प्रस्तावना	36-37
	4.2	उद्देश्य के अनुसार आंकड़ों का विश्लेषण एवं आंकड़ों का व्याख्या	37
	4.2.1	सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों पर समाज के प्रभाव का अध्ययन	38-40
	4.2.2	सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के विकास पर विद्यालय गतिविधि का प्रभाव	40-42
	4.2.3	सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के नैतिक विकास पर सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रभाव का अध्ययन	42-46
	4.2.4	सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का दृश्य विद्यालय एवं समाज के संबंधों से संबंधित दृष्टिकोण का अध्ययन	46-48
अध्याय 5	**शोध के सारांश एवं निष्कर्ष**		
	5.1	प्रस्तावना	49
	5.2	अध्ययन का सारांश	49
	5.3	वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष	50
	5.4	प्रस्तुत अध्ययन की शैक्षिक उपयोगिता	50-52
	5.5	भावी अध्ययन के लिए सुझाव	52-53
संदर्भ सूची			54-55
परिशिष्ट			56-61

तालिकाओं की सूची

क्र. स.	तालिका संख्या	तालिका	पृष्ठ संख्या
1	3.1	विद्यालयों के प्रकार और शिक्षकों की संख्या	25
2	3.2	विद्यालय के नाम और प्रकार के अनुसार तालिका का निर्माण	26
3	3.3	विद्यालय में समाज का प्रभाव	30
4	3.4	विद्यालय संस्कृति पर संस्थागत प्रभाव	30
5	3.5	सांस्कृतिक गतिविधियों से भी विद्यार्थियों का नैतिक विकास	31
6	3.6	अंक तालिका	31
7	3.7	विद्यालय और समाज संबंध पर शिक्षकों के दृष्टिकोण का स्तर	31
8	4.1	सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में समाज के प्रभाव के मध्यमान और मानक विचलन एवं टी मान का अध्ययन	38
9	4.2	सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में विद्यालय गतिविधि के प्रभाव का के मध्यमान और मानक विचलन एवं टी मान का अध्ययन	41
10	4.3	सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का विद्यालय तथा समाज से संबंधित दृष्टिकोणओं का मध्यमान और मानक विचलन एवं टी मान का अध्ययन	43
11	4.4	सरकारी और निजी माध्यमिकविद्यालयों के शिक्षकों का विद्यालय तथा समाज से संबंधित दृष्टिकोणओं का मध्यमान और मानक विचलन एवं टी मान का अध्ययन	47

चित्रों की सूची

क्र. स.	चित्र संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1	4.1	विद्यालय में समाज का प्रभाव	40
2	4.2	विद्यालयी संस्कृति पर संस्थागत प्रभाव	42
3	4.3	सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक विकास	46
4	4.4	विद्यालय -समाज संबंधों पर शिक्षक का दृष्टिकोण	48